दबाव समूह तथा चुनाव की राजनीति

डॉ. मनोज कुमार सिन्हा

मतदान के द्वारा चुनाव जनतंत्रीय वर्ग संघर्ष को अभिव्यक्त करते हैं। चुनाव राजनीति में दबाव समूह की बड़ी भूमिका होती हैं। ये समूह किसानों, मजदूरों, युवाओ, विद्यार्थियों के होते हैं जो चुनाव में स्वयंसेवक का काम करते है। बिहार के चुनाव राजनीति में मंडल आयोग की अनुशंसा लागू करने के आन्दोलन के दौरान बिहार में आरक्षण समर्थक जातियों में बड़ी संख्या में नेता पैदा हुये हैं और उन सभी जातियों के नेता चुनाव लड़ना चाहते हैं तथा सतासीन होनेवाले दलों से अपने लिये टिकट चाहते हैं। जब–जब चुनाव होने वाला होता है तब–तब यह दृश्य देंखने को मिलता है। कुछ पार्टियाँ कुछ जातियों की गिरोह हैं जो जातीय समीकरण बैठाकर चुनाव लड़ती है और दबाव समूह की तरह काम करती है। इनका एकमात्र मकसद है येन केन प्रकारेण सत्ता पर काबिज होना।